सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शुक्रवार , 30 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 151, पृष्ठः 8+4

विपक्ष के लिये योगी को घेरना आसान नहीं !

इनसाइड हमीरपुरः रिमझिम फैक्टरी में डंपर ने मजदूर को कुचला, मौत » Pg08

» Pg06

दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा

पीएम मोदी की पाकिस्तान को कनपुरिया अंदाज में चेतावनी

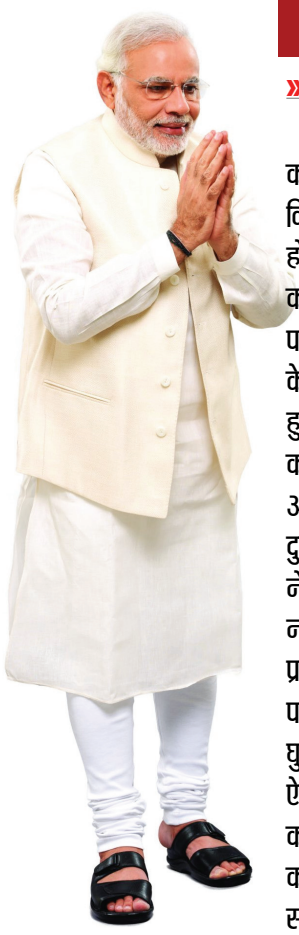

» कानपुर/मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

प्रधानमंत्री मोदी ने कानपुर में सभा को संबोधित करते हुए कहा, कानपुर में विकास का ये कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था लेकिन पहलगाम हमले के कारण कानपुर दौरा रद्द करना पड़ा. पहलगाम आतंकी हमले में हमारे कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी भी बर्बरता का शिकार हुए. बेटी ऐशान्या की पीड़ा हम सब हमसूस कर सकते हैं. हमारी बेटियों-बहनों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है. जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मनों को सोने नहीं दिया, उसका भी नया पता है 'उत्तर प्रदेश' है.पीएम मोदी ने कहा, हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकाने घर में घुसकर तबाह कर दिए. हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ाकर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा. स्वतंत्रता संग्राम की इस धरती से सेना के शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं.

» प्रधानमंत्री मोदी ने कानपुर में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था वो किसी धोखे में न रहे. ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है

आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत के तीन सूत्र

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं फिर कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था वो किसी धोखे में न रहे. ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है. भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र तय किए हैं।

पहला– भारत हर आतंकी हमले का करार जवाब देगा. उसका समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं तय करेंगी.

दूसरा– भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा.

न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा.

तीसरा– आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा.

पाकिस्तान का स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर वाला खेल चलने वाला नहीं है. सीधे-सीधे कनपुरिया में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हौंक दिया जाएगा.

दुनिया ने देखी मेक इन इंडिया की ताकत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है. हमारे भारतीय हथियारों ने और ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है. जहां टारगेट तय किया, वहां धमाके किए. ये ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है.

पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है

प्रधानमंत्री ने कहा, पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि वो डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में बड़ी भूमिका निभा रहा है. जैसे कानपुर में पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री है, ऐसी 7 ऑर्डिनेंस फैक्टियों को हमने बड़ी आधुनिक कंपनियों में बदल दिया है. आज देश का बड़ा डिफेंस कॉरिडोर यूपी में बन रहा है. एक समय जहां से उद्योग पलायन कर रहे थे, वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं.

पीएम मोदी ने कहा, अब अपने कानपुर में आधारभूत संरचनाएं, सुविधाएं और वो सभी संसाधन दिखने लगे हैं जो बड़े-बड़े मेट्रो शहर में होते हैं. कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छाशक्ति और नेक-नीयत वाली सरकार हो तो देश और प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं.

प्रधानमंत्री ने कानपुर को दी ये बड़ी सौगात

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दौरे पर कानपुर को बड़ी सौगात दी है. उन्होंने 47 हजार 600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. चुन्नीगंज से कानपुर सेंट्रल तक कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के नए अंडरग्राउंड सेक्शन का उद्घाटन किया. इस सेक्शन में 5 नए अंडरग्राउंड स्टेशन (चुन्नीगंज, बड़ा चौराहा, नवीन मार्केट, नयागंज और कानपुर सेंट्रल) शामिल हैं.

कानपुर मेट्रो के इस विस्तार से लाल इमली, जेड स्क्वायर मॉल, ग्रीन पार्क स्टेडियम, परेड ग्राउंड, बुक मार्केट और सोमदत्त प्लाजा जैसे महत्वपूर्ण स्थान मेट्रो से सीधे जुड़ जाएंगे. मौजूदा समय में आईआईटी कानपुर से मोतीझील तक 9 स्टेशन परिचालन में हैं. प्रधानमंत्री नेघाटमपुर में 660 मेगावाट की बिजली यूनिट और पनकी में एक थर्मल पावर प्रोजेक्ट का भी उद्घाटन किया.

रानी अहिल्याबाई के मूल्यों से प्रेरणा लेकर काम करें विधायक सांगा

रानी अहिल्याबाई की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । चौबेपुर ब्लाक सभागार में रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा व विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला, सांसद प्रतिनिधि गुड्डू सिंह ने रानी अहिल्याबाई के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने रानी अहिल्याबाई के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रानी अहिल्याबाई ने देशभर में सड़कों, कुओं और विश्रामग्रहों का निर्माण करवाया। केदारनाथ से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर तक का जीर्णोद्धार भी उन्हीं की देन है। वे महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और सती प्रथा जैसी कुरीतियों को दूर करने में भी अग्रणी रहीं।

संगोष्ठी में इस बात पर जोर दिया गया कि वर्तमान समय की मांग है कि हम सब रानी अहिल्याबाई के मूल्यों से प्रेरणा लेकर काम करें।कार्यक्रम की शुरुआत में संयोजक अमिताभ त्रिपाठी (पूर्व मंडल अध्यक्ष) ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में दूर दराज से आई महिलाएं भी सम्मिलित हुईं।

प्रमाण और परिणाम को ध्यान रख करें पत्रकारिता

» हिंदी पत्रकारिता दिवस पर कानपुर प्रेस क्लब में आयोजित की गई गोष्ठी, खबरों में सकारात्मकता पर ज़ोर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । खबर लिखने के दौरान उसके प्रमाण और परिणाम को भी ध्यान रखें। लोक कल्याण पत्रकारिता का धर्म है।ये विचार कानपुर प्रेस क्लब की ओर से आयोजित गोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकारों ने व्यक्त किए। अध्यक्ष सरस वाजपेई ने कहा कि सौभाग्य है कि हम उस शहर कानपुर में पत्रकारिता कर रहे हैं, जहां के जुगल किशोर शुक्ल ने 30 मई 1826 हिंदी का पहला अखबार निकला। आज के दौर में पत्रकारिता बड़ी चुनौती है, लेकिन सकारात्मकता और लोक कल्याण की भावना रखें तो अपने कर्तव्य का सच में निर्वहन कर सकते हैं । यदि ईमानदार हैं तो भय नहीं होगा और सत्य के प्रहरी बने रहेंगे।

महामंत्री शैलेश अवस्थी ने कहा कि प्रमाण और परिणाम को ध्यान रखते हुए खबर लिखें द्य ख़बरों की होड़, धन के जोर और चैनलों के शोर के बीच सच के साथ खड़े रहना मुश्किल ज़रूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं द्य इसलिए खबर ऐसी लिखें जो तथ्य और तर्क पर खरी उतरे। तभी विश्वासनीयता रहेगी। इस मौके पर उपाध्यक्ष गौरव सारस्वत, मंत्री शिवराज साहू, आनंद शर्मा गगन पाठक, उत्सव शुक्ला, संजीव शुक्ला, अमित गुप्ता, मयंक मिश्रा, कौस्तुभ मिश्रा, जेबा खान, एज़ाज सिद्दकी, नीरज तिवारी, विकास वाजपेई,वेद गुप्ता आदि मौजूद रहे द्य संचालन आलोक पांडे ने किया ।

समर स्पार्क कैंप में बच्चों ने की खूब मस्ती

» मकनपुर स्थित आरपीएस गौरव पब्लिक स्कूल में किया गया आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर । मकनपुर स्थित आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में समर स्पार्क कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने खूब मस्ती की। और कई प्रतियोगिताओ में भाग लिया। कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में बहुमुखी प्रतिभा को निखारना था। इस कैंप में रचनात्मक, शैक्षणिक, और खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सीखने का अवसर मिला। स्कूल की प्रधानाचार्या लकी जैन ने बताया कि स्पार्क कैंप का मकसद ऐसे बच्चों को तैयार करना है। जो हर क्षेत्र में बेहतर हों और अपनी क्षमता को पहचान सकें। स्कूल की निदेशक आरती कटियार ने बताया यह कैंप दिखाता है कि हम बच्चों के पूरे विकास के लिए कितने प्रतिबद्ध हैं।

पीडीए बैठक में चुनावी रणनीति पर चर्चा

» विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में रौतापुर गांव में आयोजित हुई पीडीए बैठक

» पंचायत चुनाव करीब आते ही सक्रिय हुए सपाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर । समाजवादी पार्टी द्वारा पीडीए की बैठक गुरुवार को चौबेपुर ब्लाक के रौतापुर गांव में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव ने की। बैठक में आगामी चुनाव को लेकर चर्चा की गई और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं से अपील की गई। इस दौरान विनय यादव ने कहा कि पीडीए गठबंधन सामाजिक न्याय और विकास की राजनीति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीडीए आगामी चुनावों में बड़ी ताकत के रूप में उभरकर सामने आएगा। इस दौरान मुख्य रूप से बैकुंठ नाथ यादव राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी, सेक्टर अध्यक्ष ज्ञान चंद्र कोरी, विमल कोरी, विद्यासागर , बंटी, फारूक, मनोज शर्मा, कल्लू यादव,यदुनाथ यादव , मेवालाल पाल , सुनील यादव , राजू पाल प्रदेश सचिव मजदूर सभा, सुनील यादव , राजा दुबे जी, रमेश गौतम , जगरूप यादव, संतोष पाल , हरि प्रकाश यादव , संतोष समेत कई सपाई व ग्रामवासी मौजूद रहे।

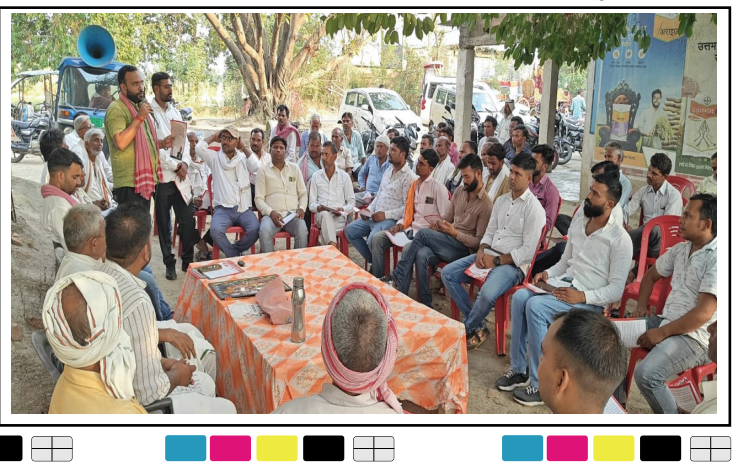

मोदी से मिलकर भावुक हुईं शुभम की पत्नी

एयरपोर्ट पर मोदी से मिली शुभम की पत्नी, पहलगाम आतंकी हमले में गई थी पति की जान

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले कानपुर निवासी शुभम द्विवेदी के परिवार से शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चकेरी एयरपोर्ट पर मुलाकात की. करीब आठ मिनट की इस मुलाकात में शुभम के माता-पिता और पत्नी ऐशन्या प्रधानमंत्री के सामने अपने आंसू नहीं रोक सके. उन्होंने हाथ जोड़कर कहा कि उनके बेटे की शहादत व्यर्थ नहीं जानी चाहिए. पीएम मोदी भी भावुक हो गए और परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन सिंदूर को रोका नहीं गया है, यह आगे भी जारी रहेगा.

शुभम द्विवेदी 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए थे. इस हमले में आतंकियों ने नाम पूछकर गोलियां चलाई थीं, जिसमें कुल 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी.

शुभम अपनी पत्नी ऐशन्या और परिवार के अन्य 11 सदस्यों के साथ घूमने गए थे. हमले के दौरान वह बैसारन घाटी के एक रेस्टोरेंट में थे, जहां आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग की. ।

ऐशन्या के मुताबिक, एक आतंकी ने शुभम से उनका नाम पूछा और सिर में गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई.प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद ऐशन्या ने बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से दो बातें की.एक, उनके पति को शहीद का दर्जा दिया जाए; और दूसरा, कि इस हमले के पीछे आतंकी देश के हिंदू-मुस्लिमों को बांटने की साजिश के तहत काम कर रहे थे. उन्होंने कहा कि आतंकी धर्म पूछकर गोलियां चला रहे थे, जिससे साफ होता है कि वे भारत को अंदरूनी रूप से बांटना चाहते हैं.पीएम मोदी ने ऐशन्या की बातों को गंभीरता से सुना और सहमति जताई.

ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भर भारत की सफलता का उदाहरण है: सीएम योगी

- प्रधानमंत्री मोदी का कथन कि, 'ऑपरेशन सिंदूर न्याय का एक अटूट संकल्प है' हर भारतीय के दिल की भावना और देश के दृढ़ निश्चय को दर्शाता है- योगी
- आज उत्तर प्रदेश का ऊर्जा उत्पादन एक नए उदाहरण को प्रस्तुत करते हुए दिखाई दे रहा है- सीएम योगी
- उत्तर प्रदेश को मिली 47,600 करोड़ की परियोजनाएं विकसित भारत की नींव हैं- योगी
- प्रधानमंत्री मोदी ने कानपुर से प्रदेश में पांच थर्मल पावर प्लांट का किया उद्घाटन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश आगमन पर सीएम योगी ने उनकी जमकर सराहना की और बधाई दी। सीएम योगी ने भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत के शौर्य और पराक्रम के कारण आज पूरी दुनिया भारत के शक्ति और

सामर्थ्य को एक उदाहरण के रूप में मान रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत की न्यू डिफेंस पॉलिसी के अंतर्गत दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट करके भारतीय सेना जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है, यह प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा 10 वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए मेड इन इंडिया की उस ताकत का भी एहसास दुनिया को करवाता है जो इस बार ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा है। यह आत्मनिर्भर भारत की सफलता का भी एक बेहतरीन उदाहरण है।

भारत के 'ग्रोथ इंजन' के रूप में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगी ये परियोजनाएं- योगी

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कानपुर में ?47,600 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किए जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश

को विकसित भारत के 'ग्रोथ इंजन' के रूप में आगे बढ़ाने का एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई कानपुर मेट्रो के पहले चरण के बाद अब दूसरे चरण का लोकार्पण हुआ है, जिससे शहर का पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम आधुनिक और सुविधाजनक बनेगा।

सीएम योगी ने गिनाई ऊर्जा क्षेत्र में यूपी की उपलब्धियां

उत्तर प्रदेश की ऊर्जा क्षेत्र का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पनकी, घाटमपुर, जवाहरपुर (एटा), ओबरा (सोनभद्र) और खुर्जा (बुलंदशहर) में थर्मल पावर प्लांट्स की शुरुआत से प्रदेश की विद्युत क्षमता 15,000 मेगावाट से बढ़कर 25,000 मेगावाट तक पहुंच गई है। वर्ष के अंत तक इसमें 4000 मेगावाट की और बढ़ोतरी होगी।

शहरों में श्रमिकों के लिए योगी सरकार शुरू करेगी सुविधा केंद्र और श्रमिक सराय

काम के लिए शहर-शहर जाने वाले श्रमिकों को योगी सरकार देगी ट्रांजिट हॉस्टल की सौगात

- डॉ. अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्रों से मिलेगी योजनाओं की जानकारी और जरूरी सेवाएं
- प्रवासी श्रमिकों के लिए खुलेगी 'विश्वकर्मा श्रमिक सराय'
- श्रमिकों की गरिमा और सुरक्षा के लिए योगी सरकार की पहल, हर जिले में बढ़ेगी सुविधा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में योगी योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र और विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना जैसी अभिनव योजनाओं के माध्यम से न सिर्फ श्रमिकों की दैनिक समस्याओं को हल करने जा रही है, बल्कि उन्हें गरिमा और सुविधा के साथ जीने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

शहरों में श्रमिकों के लिए बनेगा भरोसेमंद व सुविधाजनक ठिकाना

योगी सरकार ने तय किया है कि प्रथम चरण में राज्य के 17 नगर निगम क्षेत्रों और नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों को श्रमिकों के लिए एक वन-स्टॉप समाधान केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां उन्हें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पंजीकरण सुविधा, सरकारी योजनाओं की जानकारी, और आवश्यक सेवाएं मिलेंगी। बीते दिनों श्रम विभाग ने सीएम योगी के समक्ष इन योजनाओं का विस्तृत खाका पेश किया। इन केंद्रों के माध्यम से योगी सरकार का लक्ष्य है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ने में तेजी लाई जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सरकारी लाभों से वंचित न रहे।

विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना से प्रवासी श्रमिकों को मिलेगा अस्थायी आश्रय

प्रदेश में प्रवासी निर्माण श्रमिकों की संख्या बड़ी है जो काम की तलाश में एक शहर से दूसरे शहर जाते रहते हैं। इनकी रातें अक्सर फुटपाथ या असुरक्षित स्थानों पर गुजरती हैं। ऐसे में योगी सरकार की विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना प्रवासी श्रमिकों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल के रूप में राहत लेकर आ रही है। इन सरायों में स्वच्छ शौचालय, स्नानागृह, क्लॉक रूम और अस्थायी आवास की सुविधा होगी, जिससे श्रमिक न केवल सुरक्षित रह सकेंगे बल्कि अगली सुबह नए काम की तलाश में बेहतर ढंग से निकल सकेंगे।

श्रमिकों के मान-सम्मान की दिशा में योगी सरकार की ठोस पहल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रमिक कल्याण को लेकर गंभीर हैं और कई मौकों पर उन्होंने कहा है कि राज्य का निर्माण करने वाले श्रमिकों को सुविधाएं देना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उनकी इसी सोच का परिणाम है कि यूपी में पहली बार श्रमिकों के लिए इस तरह के स्थायी ढांचे की योजना बनाई जा रही है, जो श्रमिकों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सके।

राज्य सरकार का लक्ष्य है कि भविष्य में इन योजनाओं का विस्तार हर नगर क्षेत्र और बड़े औद्योगिक क्षेत्रों तक किया जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सुविधाओं से वंचित न रहे।

शहरों में श्रमिकों के लिए बनेगा भरोसेमंद

सम्पादकीय

पंजाब में कार्टून व गुजरात में भूतों को मज़दूरी

श्रमिकों को घर के पास जीविका उपार्जन के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शुरू की गई मनरेगा से जुड़ी धांधलियां अकसर उजागर होती रहती हैं। ताजा घटनाक्रम में ठेकेदारों व निहित स्वार्थी तत्वों की सांठगांठ को ऑनलाइन भुगतान के जरिये बेनकाब किया गया, जिसमें लाखों फर्जी श्रमिकों को भुगतान के मामले उजागर हुए। निश्चित रूप से ये घटनाएं हमारे समाज में येन-केन-प्रकारेण धन अर्जन की लालसा को ही उजागर करती हैं। साथ ही नैतिक मूल्यों के पतन की गाथा भी कहती हैं। ऐसे ही पंजाब के गुरदासपुर के गाजीकोट गांव में उजागर हुआ कार्टून घोटाला एक हास्यास्पद, लेकिन बेहद परेशान करने वाला उदाहरण है कि भ्रष्टाचार के लिये किस हद तक गिरा जा सकता है। कथित तौर पर पंचायत सदस्यों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा के तहत मजदूरों की उपस्थिति को फर्जी ढंग से दर्शाने के लिये एक सरकारी स्कूल के गेट पर बनाए गए कार्टूनों का सहारा लिया। इन चित्रों के साथ लाभार्थियों की तसवीरें मजदूरी के सबूत के तौर पर अपलोड की गई। विडंबना देखिए कि उस काम के लिए भुगतान लिया गया जो कभी किया ही नहीं गया था। दरअसल, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एक योजना के तहत स्कूल की दीवारों पर पेंटिंग्स बनायी थी, जिससे छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया जा सके। लेकिन शातिर लोगों ने उसका दुरुपयोग मनरेगा में घोटाले को अंजाम देने के लिए किया। निश्चय ही यह हमारे समाज में कुशासन, नैतिक पतन और तकनीकी खामियों की घातक जुगलबंदी को दर्शाता है। इस घोटाले का एक बेशर्म पहलू यह भी था कि कथित तौर पर पंचायत अधिकारियों के करीबी दो भाइयों को कार्टून के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस तरह काल्पनिक काम के लिये बेशर्मी से भुगतान कर दिया गया। यही वजह है कि मनरेगा के तहत वित्तीय आवंटन व योजना के क्रियान्वयन को व्यावहारिक बनाने की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इसका कारण यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दृश्य व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में इस योजना की बड़ी भूमिका रही है।

निस्संदेह, लंबे अरसे से मनरेगा के तहत मजदूरी देने में धांधली के आरोप लगते रहे हैं। यह केवल पंजाब के गुरदासपुर का मामला ही नहीं है, हाल के वर्षों में पूरे देश में इस तरह की धोखाधड़ी के मामले उजागर होते रहे हैं।

कुछ दिन पहले, गुजरात में एक राज्य मंत्री के बेटों से जुड़े 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में फर्जी प्रोजेक्ट और अन्य धांधलियां सामने आई थीं।ये उदाहरण ग्रामीण आजीविका और सम्मान को बनाये रखने के लिये बनायी योजना का मजाक उड़ाने वाले हैं। दरअसल, ऐसे घोटालों का उजागर होना अंततः कल्याणकारी कार्यक्रमों में जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाता है।

बढ़ती आबादी को ताकत बनाने की जरूरत

मोहन गुरुस्वामी

पंजाब से युवाओं के पश्चिमी देशों की ओर पलायन की कई लहर चलीं। बेहतर भविष्य की तलाश में वे विदेश गये क्योंकि यहां रोजगार के माकूल अवसर नहीं। ऐसे में वैध-अवैध पलायन जारी रहा। अमेरिका का इन लोगों को बेड़ियों में जकड़ना कुछ ज्यादा ही आसान रहा लेकिन देश में विदेशी मुद्रा लाने वाले इन अप्रवासियों का अपमानजनक निर्वासन और उस पर देश में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त न करना चिंताजनक है।पंजाब– पांच दरियाओं की धरती,यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो-सिख युद्ध यहीं लड़े गए - पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही हैं, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो।

हम शुरुआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व , गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवतः इतिहास का विशालतम जबरन पलायन।यह बड़ी उथल-पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशतः यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्व युद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है।

यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे-धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि-शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंततः सफल हुई। अकाली सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही।विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे – जलंधर (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरुआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब 'लघु आब' कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब 'पंज-आब' कहलवाने लायक नहीं रहा।

घर-घर सिंदूर अभियान- सनातन मूल्यों का मखौल या सस्ता प्रचार?

पत्रकारिता दिवस

श्याम सिंह पंवार

सनातन धर्म, जिसके मूल में संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का गहरा समन्वय है, आज एक बार फिर राजनैतिक मंचों पर सस्ते नारों और प्रचार के हथियार के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। घर-घर सिंदूर जैसे शब्द, जो सुनने में सनातन संस्कृति की गूंज पैदा करते हैं, वास्तव में क्या संदेश दे रहे हैं? क्या यह सनातन धर्म की गहरी समझ और सम्मान का प्रतीक है, या फिर केवल वोट बैंक की खातिर पवित्र परंपराओं का दुरुपयोग? और कहीं, अगर घर-घर सुहागरात जैसे शब्दों को हवा दे दी जाए, तो क्या यह सनातन मूल्यों का अपमान नहीं?

यह सवाल हर उस व्यक्ति के मन में उठना चाहिए जो सनातन धर्म को केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन का आधार मानता है।

सिंदूर, सनातन परंपरा में सुहागिन स्त्री के लिए पवित्रता, समर्पण और वैवाहिक बंधन का प्रतीक है। यह न केवल एक रंग है, बल्कि एक संस्कृति का हिस्सा है, जो पति-पत्नी के बीच विश्वास और प्रेम की नींव को दर्शाता है। लेकिन जब इसे घर-घर बाँटने की बात की जाती है, तो क्या यह पवित्र प्रतीक अपनी गरिमा खो नहीं रहा? क्या यह सनातन धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा है, या फिर सस्ते प्रचार का हथकंडा, जो धार्मिक भावनाओं को भुनाने का प्रयास करता है? और अगर इस तरह की बातें आगे बढ़करसुहागरात जैसे अत्यंत निजी और पवित्र अवधारणा को सार्वजनिक मंचों पर उछाला जाए, तो यह सनातन संस्कृति का कितना बड़ा अपमान होगा?

सुहागरात, जो सनातन परंपरा में नवविवाहित दंपति के बीच पवित्र और निजी क्षणों का प्रतीक है, इसे सार्वजनिक चर्चा का विषय बनाना न केवल अशोभनीय है, बल्कि यह सनातन मूल्यों के प्रति घोर असंवेदनशीलता को दर्शाता

है। क्या हमारी संस्कृति इतनी सस्ती हो गई है कि इसके पवित्र प्रतीकों को राजनैतिक मंचों पर मजाक का विषय बनाया जाए? क्या यह सनातन धर्म के प्रति श्रद्धा है,

या फिर उसका मखौल उड़ाने का प्रयास? यह वही संस्कृति है, जिसने स्त्री को देवी का दर्जा दिया, जिसने विवाह को सात जन्मों का बंधन माना, और जिसने हर रीति-रिवाज में गहरे दार्शनिक अर्थ समेटे हैं।

लेकिन आज, इन रीति-रिवाजों को

केवल वोट बटोरने का जरिया बनाया जा रहा है। जब कोई नेता या नीति-निर्माता इस तरह की बातें करता है, तो वह न केवल सनातन धर्म की गरिमा को ठेस पहुँचाता है,

बल्कि उन लाखों लोगों की भावनाओं को भी आहत करता है जो इस धर्म को अपने जीवन का आधार मानते हैं। यह समय है कि हम सवाल उठाएँ- क्या हमारी संस्कृति इतनी कमजोर है कि इसे हर बार राजनैतिक नारों में उलझाया जाए? क्या हमारा समाज इतना असंवेदनशील हो गया है कि पवित्र प्रतीकों को मजाक का विषय बनने दे? और सबसे बड़ा सवाल—क्या हम चुप रहकर इस अपमान को सहन करेंगे?

सनातन धर्म केवल नारों और प्रचार का साधन नहीं है। यह एक जीवन दर्शन है, जो हमें मर्यादा, सम्मान और आध्यात्मिकता का पाठ पढ़ाता है। इसे सस्ते प्रचार के लिए इस्तेमाल करना न केवल धर्म का अपमान है, बल्कि उस समाज का भी अपमान है जो इस धर्म पर गर्व करता है।

अगर आज फ़घर-घर सिंदूरफ़ का नारा है, और कल फ़घर-घर सुहागरातफ़ की बात हो, तो हमारी संस्कृति का क्या होगा? यह समय है कि हम अपनी आवाज उठाएँ और अपनी परंपराओं को सस्ते नारों से बचाएँ। सनातन धर्म को बचाना है, तो उसे राजनैतिक मंचों से नीचे उतारकर फिर से हमारे दिलों और घरों में स्थान देना होगा।

श्याम सिंह पंवार

101 वैदिक मंत्रोच्चारण से संपन्न होगी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

3 जून को विशेष

कलश यात्रा पुराने आरती स्थल से शुरू होगी और श्रृंगरहाट हनुमानगढ़ी दशरथ महल होते हुए राम मंदिर के यज्ञ मंडप पर पहुंचेगी। तीन जून को यज्ञ मंडप पूजन अग्नि स्थापना का अनुष्ठान शुरु होगा जबकि चार जून को विभिन्न अधिवास पालकी यात्रा का आयोजन किया गया है।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उत्सव

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में रामनगरी अयोध्या में पांच जून को एक और प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोर शोर से की जा रही है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष चंपत राय ने बुधवार को यहां पत्रकारों को बताया कि पांच जून को सुबह 11:25 से 11:40 के बीच राम दरबार समेत सभी आठ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। गंगा दशहरा पर प्राण प्रतिष्ठा का यह भव्य कार्यक्रम अभिजीत मुहूर्त में संपन्न होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वत महंत योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे। उन्होने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को काशी के विद्वान पंडित जयप्रकाश की अगुवाई में 101 वैदिक आचार्य संपन्न कराएंगे। इससे पहले दो जून को शाम चार बजे मातृ शक्तियां जल कलश यात्रा

लेकर निकलेंगी। यह कलश यात्रा पुराने आरती स्थल से शुरू होगी और श्रृंगरहाट हनुमानगढ़ी दशरथ महल होते हुए राम मंदिर के यज्ञ मंडप पर पहुंचेगी। तीन जून को यज्ञ मंडप पूजन अग्नि स्थापना का अनुष्ठान शुरु होगा जबकि चार जून को विभिन्न अधिवास पालकी यात्रा का आयोजन किया गया है।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में विभिन्न परंपराओं के संत धर्म आचार्यों के अलावा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद व राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि 22 जनवरी 2024 को भव्य मंदिर में भगवान राम लला की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में संपन्न हुयी थी।

अहिल्याबाई की जयंती पर महिला सशक्तिकरण का कार्यक्रम संपन्न

नगर पालिका में पहुंची उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य विधायक राहुल बच्चा ने भी लिया कार्यक्रम में हिस्सा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। रानी अहिल्याबाई होलकर जी की 300 वी जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद बिल्हौर में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रानी अहिल्याबाई होलकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिशाषी अधिकारी सुश्री अंजनी मिश्रा ने मुख्य अतिथि पूनम द्विवेदी सदस्य महिला आयोग एवं विशिष्ट अतिथि विधायक राहुल बच्चा सोनकर, मंडल अध्यक्ष सौरभ शर्मा, जिला महामंत्री डॉ राजेंद्र कटियार, पूर्व जिलाध्यक्ष कौशल अवस्थी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। तत्पश्चात अधिशाषी अधिकारी, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा महिला सफाई मित्रों को प्रशस्ति पत्र दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित महिला सभासद श्रीमती रामा, श्रीमती उजमा, श्रीमती आलिया, श्रीमती चांदबीबी, श्रीमती कांति राठौर, श्रीमती फरहा नाज, श्रीमती शाहिस्ता, श्रीमती अर्शी को अहिल्याबाई होलकर जी का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित बांके बिहारी महिला मंडल की कार्यकर्ताओं को छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अधिशाषी अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों को छायाचित्र भेंट कर कार्यक्रम का समापन किया गया। बांके बिहारी महिला मंडल द्वारा अधिशाषी अधिकारी सुश्री अंजनी मिश्रा को रानी अहिल्याबाई जी का छायाचित्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया।

सगी बहनों को अगवाकर किया दुष्कर्म, स्कूल की किताबें खरीदने निकलीं थी दोनों, दो आरोपी हिरासत में

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। काकादेव क्षेत्र में स्कूल की किताबें खरीदने निकलीं बहनों को अगवाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। दो सगी बहनें हैं, जिसमें बड़ी दसवीं व छोटी सातवीं कक्षा की छात्रा है। कानपुर के काकादेव थाना क्षेत्र में दसवीं और सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली सगी बहनों को अगवाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दोनों सोमवार की सुबह स्कूल की किताबें खरीदने के लिए बुक स्टॉल जाने के लिए घर से निकली थीं।

पीड़ित किशोरियों की मां ने दो युवकों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया है। विजय नगर निवासी महिला के अनुसार उनकी कक्षा 10 और कक्षा सात में पढ़ने वाली बेटियां 26 मई की सुबह 10 बजे बुक स्टॉल जा रही थीं।

जबरन बाइक से अपने घर ले गए थे आरोपी

रास्ते में क्षेत्र के दबंग युवक और उसके साथी ने दोनों को रोक लिया। उन्हें डरा धमका कर जबरन बाइक से अपने घर ले गए। महिला का आरोप है कि घर पर दोनों आरोपी बेटियों के साथ छेड़छाड़ करने लगे। विरोध करने पर दोनों के साथ मारपीट कर दुष्कर्म किया।

डरी सहमी हुईं मिलीं दोनों बेटियां

मां के अनुसार दोनों बेटियां दोपहर तक जब घर नहीं पहुंचीं, तो उन्होंने बाजार में उनकी तलाश की। वह किसी तरह आरोपियों के घर पहुंचीं। वहां पर दोनों बेटियां डरी सहमी हुईं मिलीं। उन्होंने आरोपियों से विरोध जताकर पुलिस से शिकायत करने की बात कही।

पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया

इस पर दोनों आरोपियों ने गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी दी। काकादेव इंस्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि किशोरियों की मां की तहरीर पर दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

हमीरपुर: रिमझिम फैक्टरी में डंपर ने मजदूर को कुचला, मौत

» परिजनों का आरोप- पुलिस ने नहीं देखने दिया शव

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। हमीरपुर जिले के भरुआ सुमेरपुर कस्बे में संचालित रिमझिम इस्पात लिमिटेड में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े चार बजे एक मजदूर पर एक ट्रक चढ़ गया। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। सुबह करीब पांच बजे जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को फैक्टरी एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पुलिस की इस कार्रवाई से परिजन आक्रोशित नजर आए।

आरोप लगाया कि उन्हें बिना शव को दिखाए धक्का देकर एंबुलेंस को फैक्टरी से बाहर लेकर चले गए। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बांकी निवासी जयनारायण (40) पुत्र रज्जन सविता बीते 10 वर्षों से कस्बे में संचालित रिमझिम इस्पात लिमिटेड में कार्य करता था। चाचा रामविशाल ने बताया कि शुक्रवार तड़के करीब साढ़े चार बजे फैक्टरी के डंपर ने इसको कुचल दिया।इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजन फैक्टरी पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि फैक्टरी एरिया चौकी इंचार्ज राजवीर सिंह और सिपाही दयाराम उन्हें धक्का देकर एंबुलेंस में शव लादकर फैक्टरी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए और उन्हें मौके पर शव को देखने नहीं दिया। इससे परिजन आक्रोशित नजर आए। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष अनूप सिंह ने मामले को संभाला।

मृतक मजदूर को दिया जाएगा मुआवजा

साथ ही, परिजनों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। तब कहीं जाकर मामला शांत हुआ। मृतक अपने पीछे पत्नी नीलम, पुत्र राज, पुत्री सोनम व पुत्र सत्यम को रोता बिलखता छोड़ गया है। बताते हैं कि यह मजदूर अवधेश शुक्ला के ठेकेदारी में फैक्टरी में काम करता था। फैक्टरी मैनेजर मनोज गुप्ता ने बताया कि डंपर की टक्कर से मजदूर की मौत हुई है। फैक्टरी अधिनियम के तहत मृतक मजदूर को मुआवजा दिया जाएगा।

अस्पताल के डस्टबिन में दम तोड़ गईं नवजात की सांसें, चीखती रही प्रसूता... ना जागा स्टाफ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रात लगभग दो बजे प्रसव पीड़ा बढ़ने पर दो कमरों में सो रहे कर्मचारियों को गर्भवती की सास ने जगाने का प्रयास किया। मगर कोई भी नहीं उठा। इधर, गर्भवती का प्रसव हो गया। प्रसव के तुरंत बाद नवजात बेड के किनारे रखे डस्टबिन में गिर गया।

एक मासूम की पहली सांसें डस्टबिन की गंदगी में दम तोड़ गईं, क्योंकि जिन हाथों में उसे सहारा मिलना चाहिए था, वे हाथ सोए हुए थे। बुधवार रात लगभग तीन बजे मेडिकल कॉलेज के महिला अस्पताल में नींद में डूबे स्टाफ ने न सिर्फ एक प्रसूता की चीखों को अनसुना किया, बल्कि उसके बच्चे को जीवन और मौत के बीच झूलने के लिए छोड़ दिया। नतीजा? बेड पर प्रसव के बाद नवजात पास में रखे डस्टबिन में गिर गया। इलाज के कुछ घंटों के बाद नवजात ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

उधर, सीएमएस की तरफ से गठित जांच समिति को डॉक्टर और स्टाफ नर्स ड्यूटी पर नहीं मिले। समिति ने निलंबन की संस्तुति की है। हालांकि, सीएमओ ने दोनों की बर्खास्तगी के लिए शासन को पत्र लिखा है ।

रूरा थाना के प्रेमाधाम कारी-कलवारी निवासी सुनील नायक के मुताबिक, बुधवार देर रात पत्नी सरिता को प्रसव पीड़ा हुई। इस पर वह पत्नी को मेडिकल कॉलेज के महिला अस्पताल लेकर आए।

रात करीब डेढ़ बजे के बाद पत्नी को स्टाफ ने कुछ दवाइयां देकर वार्ड में भर्ती कर लिया। आरोप है कि कुछ देर के बाद पूरा स्टाफ सोने चला गया।

रात लगभग दो बजे प्रसव पीड़ा बढ़ने पर दो कमरों में सो रहे कर्मचारियों को उसकी मां ओमवती ने जगाने का प्रयास किया। मगर कोई भी नहीं उठा। इधर, पत्नी का प्रसव हो गया। प्रसव के तुरंत बाद नवजात बेड के किनारे रखे डस्टबिन में गिर गया। मां फिर से स्टाफ के पास पहुंचीं और गिड़गिड़ाते हुए बोली कि नवजात डस्टबिन में गिर गया है। स्टाफ ने बच्चे को एसएनसीयू में भर्ती करवा दिया। सुबह लगभग 10 बजे बच्चे की मौत हो गई।

चेकिंग कर रही पुलिस टीम पर पशु तस्करों ने गाड़ी चढ़ाने का किया प्रयास, चार गिरफ्तार

कानपुर। पशु तस्करी की सूचना पर बुधवार रात सचेंडी में चेकिंग कर रही पुलिस टीम पर तस्कर ने कंटेनर चढ़ाने का प्रयास किया। कर्मियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद करीब एक किलोमीटर तक पीछा कर कंटेनर को रुकवा लिया।कंटेनर सवार चार तस्करों को हिरासत में लेकर 44 पशुओं को बरामद किया। इसके अलावा एक डीसीएम में सवार छह तस्करों से 5.32 लाख रुपये, तमंचा और 13 पशु बरामद किए। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।इंस्पेक्टर सचेंडी दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि बुधवार देर रात पशु तस्करी की सूचना मिली। इस पर किसाननगर, रायपुर, कानपुर देहात बार्डर हाईवे सर्विस लेन पर चेकिंग की जा रही थी। देर रात बॉर्डर पर कंटेनर को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने पुलिस टीम पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास करते हुए गाड़ी तेजी से आगे भगा दी।

पुलिस ने गाड़ी का पीछा करते हुए करीब एक किमी दूर आरोपियों को पकड़ा। जांच के दौरान कंटेनर में 44 भैंस भरी हुई मिली। आरोपियों के पास से तमंचा व नकदी भी बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने सभी कंटेनर सवारों को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपियों में मध्यप्रदेश के थाना कुरवई विदिशा निवासी बिलाल कुरैशी, जाकिर कुरैशी, नवाब कुरैशी और चौथा साथी औरैया के थाना कोतवाली के तिलकनगर निवासी कफील अहमद को गिरफ्तार कर लिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कंटेनर लूटकांड का खुलासा, मुठभेड़ में दो गिरफ्तार

» पुलिस टीम पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी दबोचे गए

» हत्या के बाद शव को ट्रक में डालकर लगाई थी आग, वारदात में परिजन भी शामिल

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद कानपुर देहात के थाना अमराहट क्षेत्र में हुई सनसनीखेज ट्रक लूट और चालक की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों ने न सिर्फ चालक की हत्या की, बल्कि शव को ट्रक में डालकर उसे जला भी दिया। पकड़े गए अभियुक्तों में शिवकुमार पुत्र रामप्रकाश निवासी सिहुरा और अभय यादव पुत्र रामसिंह निवासी चैनपुरवा, सचेंडी शामिल हैं। दोनों के पास से घटना में प्रयुक्त अवैध असलहे, व्हील पाना (आलाकत्ल) और 4 टायर बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र के निर्देशन व एडीजी कानपुर जोन आलोक सिंह व आईजी हरीश चंद्र के मार्गदर्शन में चलाई जा रही अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

22 मई को सिहुरा गांव के पास जंगल में ट्रक और शव को जलते हुए पाया गया था, जिस पर अमराहट थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। 29 मई को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी टायर निकालने के इरादे से फिर जंगल में मौजूद हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने फायरिंग कर दी, लेकिन साहसिक कार्रवाई करते हुए टीम ने दोनों को घेरकर दबोच लिया।

पूछताछ में सनसनीखेज खुलासे

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने ड्राइवर से दोस्ती कर मदद के बहाने ट्रक में चढ़ा और बाद में भोगनीपुर के पास जंगल में ले जाकर व्हील पाने से उसकी हत्या कर दी। बाद में शव को ट्रक में रखकर आग लगा दी गई।

आरोपियों के पिता और सहयोगी ने भी अपराध में साथ दिया। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी उजागर हुआ है, जिसमें अभय यादव पर पूर्व से 2 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि शिवकुमार पर भी हत्या और आर्म्स एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी सुरजीत सिंह सहित आठ सदस्य शामिल रहे, जिन्होंने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए एक बड़े आपराधिक कांड का खुलासा किया।

गौशाला में लापरवाही पर सचिव निलंबित, प्रधान पर कार्रवाई शुरू

» गौशाला में लापरवाही पर सचिव निलंबित, प्रधान पर कार्रवाई शुरू

स्वराज इंडिया की खबर पर तत्काल प्रशासनिक एक्शन

ग्राम पंचायत में दो गोवंशों की मौत के बाद मचा हड़कंप

स्वराज इंडिया
Swaraj India
27 May 2025 - Page 9

डेरापुर की गौशाला बनी यातनागृह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत हारा मऊ की गौशाला में अफसरों की लापरवाही और पंचायत सचिव की मनमानी से एक बार फिर गौसेवा की सच्चाई सामने आ गई। डीएम आलोक सिंह और सीडीओ लक्ष्मी एन- ने हाल ही में अधिकारियों संग बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए थे कि सभी गौशालाओं में छाया, पानी और हरे चारे की समुचित व्यवस्था की जाए। लेकिन इन निर्देशों को कागजों तक सीमित रखते हुए ज़मीनी हकीकत को नजरअंदाज कर दिया गया।

» सत्ता में गौ माता की बात, ज़मीन पर तड़पती हकीकत—दो गोवंश की मौत, अफसरों की चुप्पी

नतीजा ये रहा कि रविवार को इस गौशाला में दो गोवंश की दर्दनाक मौत हो गई और उनका शव खुले में पड़ा रहा, जिसे आवारा कुत्ते नोचते रहे। गर्म हवाओं और सूखे भूसे से बेहाल गोवंश की हालत देखकर साफ है कि यहां कोई भी स्थायी व्यवस्था नहीं है।

तस्वीर वायरल, अफसर बेखबर मीडिया से बचाव की कोशिश

स्वराज इंडिया के कैमरे में कैद हुई हारा मऊ गौशाला की यह भयावह तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिसने प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया। गौशाला में तैनात केयरटेकर, ग्राम प्रधान, सचिव से लेकर ब्लॉक स्तर के अधिकारी तक पूरी तरह नदारद दिखे। मृत गायों को तक दफनाने की प्रक्रिया नहीं अपनाई गई, जिससे मानवता को शर्मसार करती तस्वीरें सामने आईं। मीडिया की कवरेज से बौखलाए प्रशासन ने अब गौशाला में मीडिया के प्रवेश पर भी रोक लगा दी है, जिससे सच्चाई बाहर न आ सके। सीडीओ ने जरूर बयान देते हुए कहा है कि प्रधान और सचिव के खिलाफ सख्त कार्रवाही की जाएगी, लेकिन यह सवाल बरकरार है कि क्या इससे व्यवस्था सुधरेगी या फिर गौशालाओं में यूं ही गोवंश दम तोड़ते रहेंगे?

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर विकासखंड की एक ग्राम पंचायत में संचालित अस्थायी गौशाला में दो गोवंशों की मौत और मृत पशुओं को कुत्तों द्वारा नोचने की घटना पर स्वराज इंडिया अखबार ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। खबर का संज्ञान लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन ने जांच के निर्देश दिए। जांच में ग्राम सचिव प्रमोद कुमार शुक्ला की लापरवाही सामने आने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

वहीं, ग्राम प्रधान के अधिकार सीज करने के लिए उत्तर प्रदेश पंचायत अधिनियम की धारा 95(1)(द्व) के तहत कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

जांच में खुलासा, पशु चिकित्सा अधिकारी को भी चेतावनी नोटिस

खंड विकास अधिकारी महिमा विद्यार्थी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि लगातार लापरवाही के कारण ही दो गोवंशों की मौत हुई। सीवीओ सौरभ बरनवाल द्वारा दी गई जांच आख्या में गौशाला में सूखा भूसा दिए जाने, पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण में लापरवाही और पशु चिकित्सक रविंद्र कुमार की गैरमौजूदगी की पुष्टि हुई। इस पर डीपीआरओ विकास पटेल ने ग्राम सचिव को निलंबित कर दिया है तथा पशु चिकित्सक को कठोर चेतावनी नोटिस जारी किया गया है। ग्राम प्रधान को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है और असंतोषजनक जवाब मिलने पर अधिकार सीज करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर नगर पंचायत में सम्मेलन आयोजित

महिला स्वच्छकारों को सम्मानित कर समाजसेवा और सनातन संस्कृति को किया गया नमन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद नगर पंचायत सभागार में पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर की जन्म त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष देवशरण कमल ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने न सिर्फ युद्ध में विजय प्राप्त की, बल्कि सनातन धर्म और लोकसेवा में भी अद्वितीय योगदान दिया।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आसकरन संखवार रहे, जिनका नगर पंचायत अध्यक्ष ने अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि माता अहिल्याबाई का जीवन संघर्ष और धर्म के लिए समर्पण भाव हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। सदस्य जिला पंचायत जनार्दन सिंह ऋषि ने कहा कि 300 वर्ष पूर्व महिला नेतृत्व का जीवंत उदाहरण अहिल्याबाई थीं। कार्यक्रम के अंत में नगर क्षेत्र की महिला स्वच्छकारों को छाता, पानी की बोतल व थैला सहित किट देकर सम्मानित किया गया। मौके पर भाजपा जिला मंत्री जितेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ लिपिक अमित कुमार, सभासद अंकुर सिंह भदौरिया, हाशिम खान, विनोद गुप्ता, रानू मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विपक्ष के लिये योगी को घेरना आसान नहीं !

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए 80 बनाम 20 की रणनीति अपनाये हुए है

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 22 महीनों के बाद फिर से विधानसभा चुनाव होने हैं। इस दौरान 2022 के मुकाबले कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। सियासी परिदृश्य में कई महत्वपूर्ण घटनाएं और बदलाव सामने आए हैं, जो राज्य की राजनीति को नई दिशा दे रहे हैं। इन घटनाओं ने न केवल राजनीतिक दलों के भीतर बल्कि उनके आपसी संबंधों में भी बदलाव लाया है।सबसे खास बात यह है कि आज की तारीख में विपक्ष के पास योगी को घेरने का कोई मुद्दा ही नहीं है। यही योगी की रणनीतिक जीत है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए 80 बनाम 20 की रणनीति अपनाये हुए है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल 80 फीसदी सीटें जीतेंगे । हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को उत्तर प्रदेश में झटका लगा,

जहां उसकी सीटें 62 से घटकर 32 रह गई, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के गठबंधन ने 43 सीटें जीतीं । साल 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी ने भी यूपी में संगठनात्मक मजबूती पर जोर देते हुए 15 जून 2025 तक ब्लॉक स्तर पर नियुक्ति पूरी करने का लक्ष्य रखा है । वहीं, अपना दल (एस) की नेता अनुप्रिया पटेल ने जाटव नेता आर. पी. गौतम को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है, जिससे दलित समुदाय को साधने की कोशिश की जा रही है।

विपक्ष जहां मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत में जुटा है,वहीं बीजेपी हिन्दुत्व के 'रथ' पर सवार होकर जीत के लिये अग्रसार है।इसके अलावा कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी विपक्षी नेता योगी सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा इसलिये हैं क्योंकि योगी प्रदेश की सुद्रढ़ कानून व्यवस्था को लेकर अक्सर अपनी पीठ थपथपाते रहते हैं।

राज्य की राजधानी लखनऊ में आईआरएस अधिकारी गौरव गर्ग पर हुए हमले के बाद विपक्ष ने भाजपा सरकार की प्रशासनिक विफलता पर सवाल उठाए हैं । इसके अलावा, संभल और बहराइच में हुई सांप्रदायिक हिंसा ने भी सरकार की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं । बात विकास कार्यो की के जाये तो विकास के मोर्चे पर, उत्तर प्रदेश सरकार ने 2025-26 के बजट में 8.08 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जिसमें नवाचार, रोजगार और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है । इसके तहत, स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 49.86 लाख स्मार्टफोन और टैबलेट वितरित किए गए हैं।

साथ ही, जीरो पॉवर्टी उत्तर प्रदेश अभियान के तहत राज्य को 2 अक्टूबर 2025 तक गरीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है । इस अभियान के अंतर्गत, गरीब परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में, गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जो मेरठ से प्रयागराज तक 594 किलोमीटर लंबा होगा । इसके अलावा, राज्य सरकार ने हर गांव में ग्रीन चौपाल स्थापित करने की योजना बनाई है, जिससे पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाई जा सके ।

इन सभी घटनाओं और पहलों के बीच, उत्तर प्रदेश की राजनीति एक नए मोड़ पर है, जहां सत्तारूढ़ दल और विपक्ष दोनों ही आगामी चुनावों के लिए अपनी रणनीतियां तैयार कर रहे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में यह सियासी परिदृश्य किस दिशा में आगे बढ़ता है।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने यूपी में लॉन्च किए 50 एआई-सपोर्टेड प्रोग्राम

माइक्रोसॉफ्ट के साथ एआई बूट कैंप का आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। भारत की नंबर वन प्राइवेट यूनिवर्सिटी (क्यूएस एशिया रैंकिंग अनुसार) चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने उत्तर प्रदेश में शिक्षा और तकनीक के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है। यूनिवर्सिटी ने लखनऊ में भारत के पहले एआई-सपोर्टेड निजी कैंपस की स्थापना की है, जहां 2025-26 शैक्षणिक सत्र से 50 अत्याधुनिक इंडस्ट्री कोलैबोरेटेड प्रोग्राम्स की पेशकश की जाएगी। इनमें इंजीनियरिंग, बिजनेस, हेल्थ और लाइफ साइंसेज, ह्यूमैनिटीज, लिबरल आर्ट्स और लीगल स्टडीज शामिल हैं।

इनमें से 15 विशेष प्रोग्राम उत्तर प्रदेश की इंडस्ट्री के साथ कोलैबोरेशन में तैयार किए गए हैं, जिससे छात्रों को पहले दिन से इंडस्ट्री रेडी स्किल्स हासिल होंगी। प्रो. डॉ. थिपेंद्र पी सिंह, प्रो वाइस चांसलर, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी यूपी के अनुसार, फ्हमारा उद्देश्य छात्रों को सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि उन्हें भविष्य की तकनीकों में प्रशिक्षित करके ग्लोबल मार्केट के लिए तैयार करना है।यूनिवर्सिटी के पहले बैच के छात्रों के लिए माइक्रोसॉफ्ट की साझेदारी में एआई बूट कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 300 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। इस पहल के जरिए छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बुनियादी से लेकर एडवांस्ड तकनीकों तक की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

इस मौके पर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी यूपी ने अपनी एडमिशन और स्कॉलरशिप पोर्टल मीयूसीईटी 2025 (https://cucet.cuchd.in) का भी शुभारंभ किया। प्रो. डॉ. मनोज जोशी, चांसलर सलाहकार, ने बताया कि इस पोर्टल के जरिए 40 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप वितरित की जाएगी, ताकि मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही साइंटिफिक रिसर्च में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए 3 करोड़ रुपये की विशेष सीवी रमन स्कॉलरशिप की भी घोषणा की गई है।

इसके अतिरिक्त, रैबिट एआई के सहयोग से यूनिवर्सिटी कैंपस में देश के पहले प्राइवेट यूनिवर्सिटी आधारित 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी स्थापित किए जाएंगे। यह कदम छात्रों को एआई-आधारित व्यावहारिक ज्ञान और रिसर्च के अवसर प्रदान करेगा।

अधिक जानकारी और पंजीकरण के लिए छात्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जा सकते हैं या टोल फ्री नंबर 18002701411 पर संपर्क कर सकते हैं।

(हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर विशेष)

पत्रकारिता के पतन के बीच उम्मीद की किरण भी...!

» हिन्दी पत्रकारिता ने आज़ादी की लड़ाई से लेकर सामाजिक आंदोलनों तक में अहम भूमिका निभाई है

» हिन्दी पत्रकारिता के नैतिक पतन के कारणों और उसके सामाजिक प्रभावों की गहराई से समीक्षा की अब बड़ी जरूरत हो गई

अजय कुमार, स्वराज इंडिया

लखनऊ। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य होता है समाज को सही, निष्पक्ष और सत्य सूचना देना, ताकि नागरिक अपनी राय बना सकें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकें। विशेष रूप से हिन्दी पत्रकारिता ने आज़ादी की लड़ाई से लेकर सामाजिक आंदोलनों तक में अहम भूमिका निभाई है। लेकिन वर्तमान समय में हिन्दी पत्रकारिता जिस रास्ते पर चल रही है, उससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या पत्रकारिता अब नैतिकता से दूर हो गई है? क्या वह अब जनसेवा से अधिक व्यवसाय बन चुकी है? इस विश्लेषण में हम हिन्दी पत्रकारिता के नैतिक पतन के कारणों और उसके सामाजिक प्रभावों की गहराई से समीक्षा करेंगे।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरुआत 1826 में 'उदन्त मार्तण्ड' नामक समाचार पत्र से हुई थी। उस दौर में पत्रकारिता एक मिशन थी दृ समाज सुधार, स्वतंत्रता संग्राम और जागरूकता फैलाने का माध्यम। बालमुकुन्द गुप्त, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी जैसे पत्रकारों ने कलम को हथियार बनाया और जनता की आवाज़ बने। उनका उद्देश्य सत्य की खोज और समाज के प्रति उत्तरदायित्व था। लेकिन आज हिन्दी पत्रकारिता जिस दिशा में जा रही है, वह चिंताजनक है। अब पत्रकारिता का मकसद खबर देना नहीं, खबर 'बेचना' हो गया है। हिन्दी पत्रकारिता में नैतिक मूल्यों की गिरावट के कारणों को बिन्दुवार समझना जरूरी है।

व्यवसायीकरण और कॉर्पोरेट दबाव

मीडिया हाउस अब स्वतंत्र संस्थाएं नहीं रह गए हैं। अधिकांश बड़े हिन्दी अखबार और न्यूज़ चौनल बड़े कॉर्पोरेट घरानों के अधीन हैं। इनका प्रमुख उद्देश्य मुनाफा कमाना है, न कि सामाजिक जागरूकता फैलाना। जब संपादकीय नीति विज्ञापनदाताओं और राजनीतिक समर्थकों के इशारे पर तय होती है, तो निष्पक्षता और ईमानदारी स्वाभाविक रूप से प्रभावित होती है।

पेड न्यूज़ और खबरों की दलाली

आज पेड न्यूज़ एक गंभीर समस्या बन चुकी है। राजनीतिक दलों, उद्योगपतियों और अन्य हित समूहों द्वारा पत्रकारों और मीडिया संस्थानों को पैसे देकर अपने पक्ष में खबरें छपवाना एक आम प्रथा बन गई है। इससे पत्रकारिता की विश्वसनीयता को भारी नुकसान पहुँचा है।

टीआरपी और क्लिकबेट की होड़'

टीवी चौनलों पर टीआरपी की होड़ और डिजिटल मीडिया में क्लिकबेट हेडलाइनों ने पत्रकारिता को सतही बना दिया है। गहराई वाली, शोधपरक खबरों की जगह अब सनसनीखेज, उत्तेजक और भावनात्मक सामग्री परोसने का चलन है। इससे जनता को सच्चाई नहीं, बल्कि भ्रमित करने वाली सूचनाएं मिलती हैं।

पत्रकारों की सामाजिक और पेशेवर असुरक्षा

कई पत्रकार न्यून वेतन पर कार्य करते हैं, उनके पास सुरक्षा, प्रशिक्षण और संसाधनों की कमी होती है। ऐसे में जब उन पर दबाव आता है या रिश्वत का प्रलोभन दिया जाता है, तो नैतिकता से समझौता करना आसान हो जाता है। इस असुरक्षा का फायदा बड़े संस्थान और राजनैतिक ताकतें उठाते हैं।

राजनीतिक पक्षधरता

हिन्दी मीडिया का एक बड़ा हिस्सा अब खुलकर किसी न किसी राजनीतिक विचारधारा या पार्टी के पक्ष में खड़ा दिखाई देता है। निष्पक्ष रिपोर्टिंग की बजाय 'नैरेटिव सेट करना' अब पत्रकारों का काम बन गया है। इससे खबरें विचारधारा आधारित प्रचार में बदल जाती हैं। नैतिक मूल्यों की अनदेखी के दुष्परिणाम बहुत भयावह नजर आ रहा है,जिसकी तह में जाया जाये तो निम्न वजह सामने आती हैं।

जनता का विश्वास खोना

जब पत्रकारिता पक्षपातपूर्ण, झूठी या अधूरी खबरें परोसती है, तो आम जनता का भरोसा मीडिया पर से उठने लगता है। इससे लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होती है क्योंकि जागरूक नागरिक ही सशक्त लोकतंत्र की नींव होते हैं। नैतिकता के अभाव में मीडिया प्लेटफ़ॉर्म अफवाहों, नफ़रत और ध्रुवीकरण को बढ़ावा देते हैं। कई बार ऐसा देखा गया है कि धार्मिक या जातीय मुद्दों को जानबूझकर उकसाया गया, जिससे हिंसा और तनाव फैल गया।

वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाना

नैतिक रूप से गिरा हुआ मीडिया जनहित के मुद्दों जैसे बेरोज़गारी, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण की बजाय टीआरपी लायक मसालों को प्राथमिकता देता है। इससे समाज की मूल समस्याएँ हाशिए पर चली जाती हैं।वहीं जब युवा पत्रकारिता को सिर्फ करियर या फेम के नजरिये से देखते हैं, और जब मीडिया संस्थान उन्हें नैतिकता की जगह कंटेंट मैनेजमेंट सिखाते हैं, तो एक पूरी पीढ़ी पत्रकारिता के असली उद्देश्य से भटक जाती है।

हिन्दी पत्रकारिता में कैसे सुधार लाकर उसको पुरानी विश्वसनीयता को लौटाया जा सकता है,इसकी बात की जाये तो यह कहा जा सकता है कि आम नागरिकों को यह समझाने की ज़रूरत है कि मीडिया कैसे काम करता है, खबरों की जांच कैसे करें, और कौन-सी सूचनाएं भरोसेमंद हैं। इसके साथ ही एक ऐसा तंत्र होना चाहिए जो हिन्दी पत्रकारिता की स्वायत्त और निष्पक्ष निकाय, मीडिया की नैतिकता की निगरानी करे और उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह बनाए।

इसके साथ ही पत्रकारों को नैतिकता, शोध विधियों और कानूनी अधिकारों की शिक्षा दी जानी चाहिए। साथ ही उन्हें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा भी दी जानी चाहिए। वहीं इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि यदि पाठक, दर्शक और श्रोता सतर्क रहेंगे, झूठी खबरों का विरोध करेंगे, और ईमानदार पत्रकारिता को प्रोत्साहित करेंगे, तो संस्थानों पर भी दबाव बनेगा।

दरअसल, हिन्दी पत्रकारिता का नैतिक पतन एक गंभीर और बहुस्तरीय समस्या है। यह केवल मीडिया संस्थानों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का प्रश्न है। जब पत्रकारिता अपने मूल उद्देश्य– सत्य की खोज, जनसेवा और सत्ता पर प्रश्न उठाने की प्रवृति से विमुख हो जाती है, तो लोकतंत्र पर खतरा मंडराने लगता है। हालांकि, निराशा के बीच आशा की किरण भी है। आज भी कई स्वतंत्र और निष्ठावान पत्रकार सत्य के पक्ष में खड़े हैं। यदि समाज, संस्थाएं और नागरिक मिलकर नैतिक पत्रकारिता को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करें, तो बदलाव संभव है।

विशिष्ट बीटीसी 2004 के तहत नियुक्त शिक्षकों को नहीं मिलेगी पुरानी पेंशन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के लिए बड़ी खबर है। पुरानी पेंशन का इंतजार कर रहे शिक्षकों को बड़ा झटका लगा है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुरानी पेंशन न देने का फैसला किया है इस फैसले से शिक्षकों में काफी मायूसी है क्योंकि काफी लंबे समय से पुरानी पेंशन योजना का इंतजार कर रहे थे और उन्हें पूरी उम्मीद थी की पुरानी पेंशन योजना लागू हो जाएगी लेकिन अब स्थिति साफ होने के बाद पुरानी पेंशन का लाभ अनुमन्य नहीं होगा। जानकारी के लिए बता दे उत्तर प्रदेश के परिषदीय शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ नहीं दिया जाएगा।

» 35 हजार से अधिक शिक्षकों को लगा झटका

विशिष्ट बीटीसी 2004 के जरिए नियुक्त 35000 से अधिक परिषदीय शिक्षकों के लिए बड़ा झटका लगा है उत्तर प्रदेश विधानसभा की विधायक समिति की 16 अप्रैल को आयोजित बैठक के संबंध में बेसिक शिक्षा परिषद सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बेसिक सचिव बेसिक शिक्षा को भेजे पत्र में साफ कर दिया है कि इन शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ नहीं दिया जाएगा।

क्या है पूरा मामला जानें

विशिष्ट बीटीसी 2004 के बैच के शिक्षकों को पुरानी पेंशन का बेसब्री से इंतजार था और पूरी उम्मीद की जा रही थी कि इन्हें पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाएगा लेकिन 14 जनवरी 2004 और 20 फरवरी 2004 को जारी विज्ञापन के माध्यम से चयनित अभ्यार्थियों को 6 महीने की ट्रेनिंग अगस्त 2004 में शुरू की गई थी विभागीय देरी के कारण तैनाती दिसंबर 2005 और जनवरी 2006 में मिल सकी थी।

31 अक्टूबर 2005 को जारी पत्र में भी स्पष्ट कर दिया गया था की एनसीईआरटी ने 2004 में ही विज्ञापन जारी कर दिया है इसलिए नए की जरूरत नहीं है यानी कि पुराने विज्ञापन के आधार पर ही प्रक्रिया पूरी की गई थी।

14 जनवरी 2004 और 22 जनवरी 2004 के आदेश में भी स्पष्ट बता दिया गया था कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद जब तक नियुक्ति नहीं हो जाती तब तक उन्हें 2500 रुपया प्रति महीना मानदेय दिया जाएगा इससे यह स्पष्ट होता है की विशेष बीटीसी 2004 प्रशिक्षण का विज्ञापन ही भर्ती का विज्ञापन था जिसके कारण 28 जून 2024 की व्यवस्था अनुसार इन शिक्षकों को विकल्प के आधार पर पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए था किंतु उच्च स्तरीय अधिकारियों ने शिक्षकों के अरमानों पर पानी फेर दिया।

क्यों नहीं मिलेगी इन 20 साल पुराने शिक्षकों को पुरानी पेंशन

पुरानी पेंशन का इंतजार कर रहे हैं 20 साल पुराने इन शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने से मना कर दिया गया है और सचिव सुरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने हाई कोर्ट के कई आदेशों का हवाला देते हुए इन तर्कों को बिल्कुल खारिज कर दिया है।

सचिव के अनुसार विशिष्ट बीटीसी 2004 बैच के अंतर्गत ट्रेनिंग के बाद 35738 अभ्यर्थियों को दिसंबर 2005 में नियुक्ति दी गई थी 2004 में ट्रेनिंग को आवेदन आमंत्रित किए गए थे। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा अध्यापक तैनाती नियमावली 2008 के अंतर्गत नियमों के अनुसार सेवा अवधि का तात्पर्य अध्यापक के रूप में नियमित रूप से कार्य करने की अवधि से माना जाता है अर्थात इन शर्तों को यह अध्यापक पूरा नहीं करते हैं इसलिए उत्तर प्रदेश के इन सभी शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिलेगा।

लखनऊ : 2 IRS अधिकारियों के बीच मारपीट मामले में मुकदमा दर्ज

- डिप्टी कमिश्नर इनकम टैक्स गौरव गर्ग ने स्वद्वक्रमें गंभीर आरोप लगाए
- आरोप हैं कि डिप्टी कमिश्नर गौरव गर्ग पर कांच के गिलास से हमला कर दिया
- फरवरी 2025 में क्रिकेट मैच से शुरू हुआ था विवाद, इसको लेकर चलती थी बहस

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। राजधानी के नरही स्थित आयकर विभाग के मुख्यालय में एक वरिष्ठ अधिकारी ने डिप्टी कमिश्नर गौरव गर्ग पर कांच के गिलास से हमला कर दिया। फिर अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और डिप्टी कमिश्नर को कमरे से बाहर निकालकर हजरतगंज पुलिस को सूचना दी। साथ ही पुलिस ने घायल को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया।

गौरव के कान, चेहरे व सिर के पास चोटें आई हैं। गौरव की आईपीएस पत्नी रवीना त्यागी लखनऊ में डीसीपी अभिसूचना व सुरक्षा पद पर तैनात हैं।

इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारी से जुड़ी कुछ जांचें 2016 बैच के आईआरएस गौरव कर रहे थे। वरिष्ठ अधिकारी किसी कार्य से गुरुवार को आयकर मुख्यालय आए थे। सूत्रों के अनुसार कानपुर में तैनाती के दौरान और किसी आरटीआई को लेकर गौरव की वरिष्ठ अधिकारी में कहासुनी होने लगी।

वहां मौजूद अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बीच-बचाव किया लेकिन बात काफी बढ़ गई। फिर दोनों के बीच मारपीट होने लगी। आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारी ने टेबल पर रखा पानी से भरा कांच का गिलास उठाकर मार दिया।

गौरव के चेहरे, सिर और हाथ पर चोट थी हल्ला मचने पर कर्मचारी भी पहुंचे। और फिर किसी के कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि वरिष्ठ अधिकारियों के विवाद को कैसे शांत कराया जाए। घायल गौरव को अस्पताल पहुंचाया गया।

हजरतगंज पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाया। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम साक्ष्य एकत्रित कर लिए हैं। फिलहाल तहरीर नहीं मिली है।

तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मामला विभाग

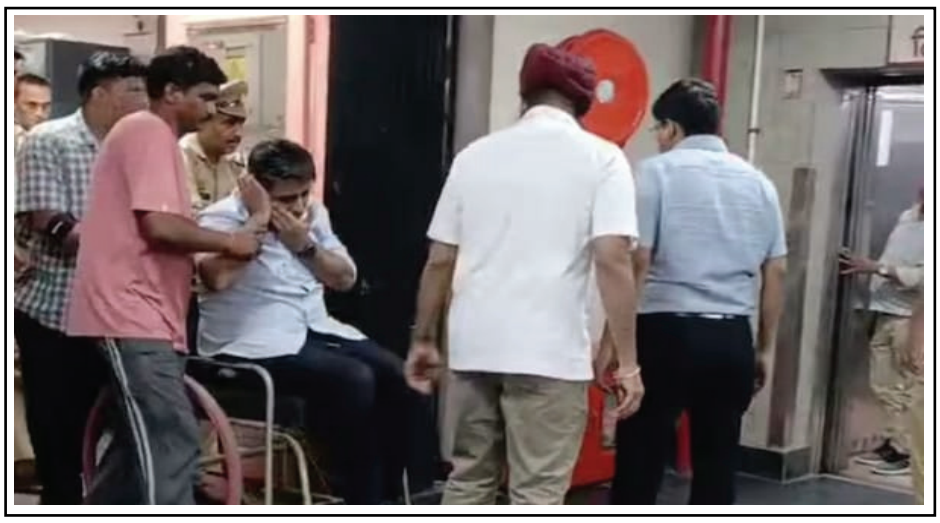

मामले में मुकदमा दर्ज, जांच जारी

ज्वाइंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्रा पर जमकर पिटाई का आरोप लगाते हुए आईआरएस गौरव गर्ग ने मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमा के अनुसार

असिस्टेंट कमिश्नर ने मुझ पर मुक्कों की बारिश की, योगेंद्र मिश्रा ने मेरा गला दबा कर मुझे मार डालने की कोशिश की, मुझे घूसों और लातों से पीटा गया।

मेरे प्राइवेट पार्ट पर भी जूते से हमला किया गया। हमला इतना तेज था मेरे दाएं कान से सुनना बंद हो गया और असिस्टेंट कमिश्नर ने पारिवारिक अभद्र टिप्पणी भी की है। पुलिस ने बताया बीएनएस की धारा 109,121, 221, 324, 352,351, धारा 2 और 3 के तहत एफआईआर दर्ज की है। वहीं, असिस्टेंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्रा ने भी कमिश्नर को दी शिकायत।

से जुड़ा होने के कारण आयकर विभाग की तरफ से भी घटना को लेकर कोई बयान नहीं आया है।माना जा रहा है कि आयकर विभाग ने मामले की आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं।साथ ही आईआरएस अधिकारी गौरव गर्ग के साथ आयकर भवन में मारपीट हुई है।सिविल अस्पताल में उनका इलाज कराया गया है।

पत्रकारिता व्यवसाय नहीं, समस्याओं को निस्तारित करवाने की दवा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हिंदी पत्रकारिता के योगदान को सराहने और पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत में हिंदी का पहला अखबार उदन्त मार्तण्ड अखबार प्रकाशित हुआ था जिसका प्रकाशन और संपादन कानपुर के पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा किया गया था। भारत में पत्रकारिता एक समय पर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानी जाती थी। समाज की आवाज उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसकी भूमिका अविस्मरणीय रही है लेकिन बीते कुछ वर्षों में पत्रकारिता का स्तर चिंताजनक रूप से गिरा है। पत्रकारिता कभी मिशन था। आजादी के आंदेलन तक मिशन रहा। धीरे-धीरे इसमें व्यापारी आने लगे। औद्योगिक घराने उतर गए। इनका उद्देश्य समाज सेवा नही रहा व्यापार हो गया। अब सवाल यह नहीं है कि पत्रकार क्या कर रहे हैं असली सवाल यह है कि पत्रकारों को करने क्या दिया जा रहा है।

- हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है

पत्रकारिता पर आज जो सबसे बड़ा संकट है वह संपादकीय ईमानदारी का नहीं बल्कि मालिकाना इच्छाओं का है। हमें यह सवाल करने की जरूरत है कि क्या पत्रकारिता की आत्मा अब कॉरपोरेट स्लोगनों में दफन हो चुकी है? क्या वाकई हम एक लोकतांत्रिक समाज में पत्रकारिता दिवस मना रहे हैं या केवल एक खोखले विश्वास का उत्सव मनाया जा रहा है। पहले सवाल पत्रकारों से होते थे उनकी नीयत, उनके विचारों, उनकी प्रतिबद्धता पर लेकिन अब सवाल पत्रकारिता के मालिकों से होने चाहिए। आखिर जब मालिक का उद्देश्य लाभ होगा, तो सच्चाई पर कैसे टिकेगा एक ईमानदार रिपोर्टर? एक आम रिपोर्टर के पास अब न तो स्वतंत्रता है, न संसाधन और न ही सुरक्षा। वह तो एक मशीन की तरह चलाया जा रहा कर्मचारी है इसलिए आज सवाल सिर्फ यह नहीं है कि पत्रकार क्या कर रहे हैं बल्कि यह है कि पत्रकारिता को किसने, कब और किस कीमत पर गिरवी रखा है। आज फेसबुक पत्रकार, न्यूज पोर्टल चलाने वाले पत्रकार, यूटयूब चैनल चलाने वाले पत्रकारों की देश में बाढ़ सी आ गई है। दैनिक अखबार भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन समाचार पत्रों की रोज गिनती बढ़ती जा रही है। जिसे देखो पत्रकारिता कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले कुछ साल में खबर की विश्वसनीय घटी है। पत्रकारिता का स्तर गिरा है। पत्रकार का सम्मान घटा है। पहले माना जाता कि अखबार में छपा है तो सही होगा किंतु मीडिया में आई खबर की आज कोई गारंटी देने को तैयार नहीं है। इससे खबरों की निष्पक्षता और निर्भीकता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं। नतीजा जांच रिपोर्टिंग, जमीनी सच्चाई और सत्ता से सवाल पूछने की परंपरा लगभग समाप्त होती जा रही है इसलिए जरूरी है कि स्वतंत्र पत्रकारिता को बढ़ावा मिले। पत्रकारिता कोई व्यवसाय नहीं है यह समाज कल्याण के प्रति व्यक्ति का वह गुण है जो अपने निजी हित से परे पूरी मुखरता के साथ आत्म अभिव्यक्ति को स्वर देता है। पत्रकारिता कोई व्यवसाय नहीं यह समाज कल्याण के प्रति व्यक्ति का वह गुण है जो अपने निजी हित से परे पूरी मुखरता के साथ आत्म अभिव्यक्ति को स्वर देता है। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर हमें इस शुभ दृष्टि को और सशक्त करना होगा ताकि यह जनता के हित में सत्य और निष्ठा का प्रकाशन कर सके।